भारतीय थलसेना

मिलिट्री नर्सिंग सर्विस परीक्षा

B.Sc (नर्सिंग) कोर्स

कम्प्यूटर आधारित

- पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण कवरेज
- Chapterwise थ्योरी Notes Form में

2500+
वस्तुनिष्ठ प्रश्न

arihant
SUCCESS AND NOTHING LESS

भारतीय थलसेना

मिलिट्री नर्सिंग सर्विस परीक्षा

B.Sc (नर्सिंग) कोर्स 2021

(कम्प्यूटर आधारित)

लेखक
मेजर आर डी आहलुवालिया

arihant
अरिहन्त पब्लिकेशन्स (इण्डिया) लिमिटेड

arihant

अरिहन्त पब्लिकेशन्स (इण्डिया) लिमिटेड

सर्वाधिकार सुरक्षित

卐 **© प्रकाशक**

इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके—इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना वितरण नहीं किया जा सकता है। 'अरिहन्त' ने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए प्रकाशक, सम्पादक, लेखक अथवा मुद्रक जिम्मेदार नहीं हैं।

सभी प्रतिवाद का न्यायिक क्षेत्र 'मेरठ' होगा।

卐 **रजि. कार्यालय**

'रामछाया' 4577/15, अग्रवाल रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली- 110002
फोन: 011-47630600, 43518550

मुख्य कार्यालय

कालिन्दी, टी०पी० नगर, मेरठ (यूपी)– 250002
फोन: 0121-7156203, 7156204

卐 **शाखा कार्यालय**

आगरा, अहमदाबाद, बरेली, बंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, झाँसी, कोलकाता, लखनऊ, नागपुर तथा पुणे

卐 **ISBN** 978-93-25298-82-8

卐 **मूल्य** ₹ 210.00

PO No : XX-XXXXXXX-XX-X

PUBLISHED BY ARIHANT PUBLICATIONS (INDIA) LTD.

'अरिहन्त' की पुस्तकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.arihantbooks.com** पर लॉग इन करें या **info@arihantbooks.com** पर सम्पर्क करें।

Follow us on...

विषय सूची

सामान्य ज्ञान **1-60**

1. भारत का इतिहास 3-16
2. भारतीय कला एवं संस्कृति 17-18
3. भूगोल 19-31
4. भारत का संविधान 32-39
5. खेलकूद 40-43
6. पुरस्कार 44-46
7. भारतीय रक्षा प्रणाली 47-50
8. सामान्य ज्ञान 51-60

तार्किक योग्यता **1-20**

अंग्रेजी **1-78**

1. Comprehension 3-15
2. Articles 16-19
3. Noun 20-23
4. Pronoun 24-28
5. Adjective 28-33
6. Prepositions 34-38
7. Conjunctions 39-41
8. Modals 42-45
9. Verb 46-49
10. Tense 50-53
11. Direct/Indirect Speech 54-60
12. Active and Passive Voice 61-65
13. Idioms and Phrases 65-69
14. Synonyms & Antonyms 70-74
15. One Word Substitution 75-78

भौतिक विज्ञान **1-46**

1. द्रव्य की अवस्थाएँ एवं भौतिक गुण 3-8
2. गतिकी तथा बल 8-14
3. गुरुत्वाकर्षण 14-18
4. कार्य, ऊर्जा तथा शक्ति 18-22
5. ऊष्मा तथा इसके प्रभाव 23-26
6. ध्वनि तरंगें 26-29
7. प्रकाश 30-38
8. वैद्युत तथा चुम्बकत्व 39-46

जीव विज्ञान **1-54**

1. जीव विज्ञान का आधार 3-9
2. पक्षी विज्ञान 9-12
3. जैविक प्रक्रम 12-18
4. मानव शरीर एवं उसकी विशिष्टताएँ 18-27

5. खाद्य पोषण, स्वास्थ्य एवं मानव रोग 27-36
6. जीवों का आवास व अनुकूलन 37-41
7. पारिस्थितिकीय सन्तुलन एवं पदार्थों का चक्रण 42-47
8. प्राकृतिक एवं अप्राकृतिक संसाधान 47-50
9. खाद्य उपज एवं खाद्य अपशिष्ट निस्तारण पद्धतियाँ 51-54

रसायन विज्ञान 1-50

1. द्रव्य एवं इसकी अवस्थाएँ 3-7
2. परमाणु संरचना 7-10
3. तत्वों का वर्गीकरण 11-14
4. तत्वों के प्रतीक, सूत्र, रासायनिक अभिक्रियाएँ एवं समीकरण 15-18
5. रासायनिक संयोग के नियम 19-21
6. ऑक्सीकरण–अपचयन अभिक्रियाएँ 22-23
7. जल एवं वायु के गुण 24-26
8. हाइड्रोजन, ऑक्सीजन तथा नाइट्रोजन का निर्माण एवं गुणधर्म 27-30
9. कार्बन तथा उसके रूप 31-34
10. अम्ल, क्षारक तथा लवण 35-47
11. प्राकृतिक एवं कृत्रिम उर्वरक 48-50

- **करेण्ट अफेयर्स 1-20**

मिलिट्री
नर्सिंग सर्विस परीक्षा
B.Sc (नर्सिंग) कोर्स 2021

4 वर्षीय B.Sc. नर्सिंग में प्रवेश के लिए महिला उम्मीदवारों (केवल) से आवेदन आमन्त्रित किए जाते हैं। इस कोर्स की शुरूआत वर्ष 2020 से आर्मी फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज ऑफ नर्सिंग के कॉलेजों में हुई।

पात्रता/योग्यता की शर्तें

(a) महिला अभ्यर्थी, जो अविवाहित/तलाकशुदा/कानूनी रूप से अलग/विधवा हैं, बिना किसी अतिक्रम के।

(b) **राष्ट्रीयता** भारत की नागरिक हो

(c) **जन्मतिथि** 01 अक्टूबर, 1996 और 30 सितम्बर 2004 के बीच जन्म (दोनों दिन सम्मिलित)

(d) शैक्षणिक योग्यता अभ्यर्थी को प्रथम प्रयास में, वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा (10 + 2) या समकक्ष (12 वर्ष की स्कूली शिक्षा) परीक्षा में भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान (वनस्पति और जन्तु विज्ञान) और अंग्रेजी कम–से–कम 50% अंकों के साथ नियमित छात्र के रूप में एक सांविधिक/मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय/परीक्षा निकाय में उत्तीर्ण होना चाहिए। वे उम्मीदवार, जो वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान अर्हक परीक्षा के अन्तिम वर्ष के लिए उपस्थित होंगे, वे भी आवेदन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम के लिए चुने गए उम्मीदवारों को पाठ्यक्रम में शामिल होने से पहले आवश्यक विषय और अंकों के साथ योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

(e) **शारीरिक मानक** समय–समय पर संशोधित अन्य सशस्त्र बलों में आयोग के लिए लागू मानकों के अनुसार चिकित्सा फिटनेस का निर्धारण किया जाएगा। चेस्ट और यूएसजी (पेट और श्रेणी) की एक्स–रे परीक्षा की जाएगी। महिला उम्मीदवार के लिए सशस्त्र बलों में प्रवेश के लिए न्यूनतम ऊँचाई 152 सेमी है। गोरखाओं और भारत के उत्तरी–पूर्वी क्षेत्र, गढ़वाल और कुमाऊँ से सम्बन्धित उम्मीदवारों को 148 सेमी की न्यूनतम ऊँचाई के साथ स्वीकार किया जाएगा। चिकित्सा मानकों का विवरण भारतीय सेना की वेबसाइटों www.joinindianarmy.nic.in / www.indianarmy.gov.in पर देखा जा सकता है।

(f) **चयन** योग्य उम्मीदवार को सामान्य अंग्रेजी, जीव–विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान और सामान्य बुद्धि की एक 90 मिनट की अवधि की ऑब्जेक्टिव टाइप ऑनलाइन कम्प्यूटर आधारित परीक्षा देनी होगी।

ऑनलाइन कम्प्यूटर आधारित परीक्षा की मेरिट के आधार पर उम्मीदवार को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। अन्तिम चयन ऑनलाइन कम्प्यूटर आधारित परीक्षा और साक्षात्कार की संयुक्त मेरिट तथा उम्मीदवार की मेडिकल फिटनेस के अधीन, चुने गए कॉलेज में रिक्तियों के आधार पर होगा।

(g) **साक्षात्कार और चिकित्सा परीक्षा** ऑनलाइन कम्प्यूटर आधारित परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर उम्मीदवार को चयनित केन्द्रों पर साक्षात्कार और चिकित्सा परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा।

चिकित्सा परीक्षा में घोषित उम्मीदवार Fit/Unfit को उनकी चिकित्सा स्थिति के बारे में सूचित किया जाएगा; जिसमें चयन चिकित्सा बोर्ड (SMB) के अध्यक्ष द्वारा APPEAL / REVIEW चिकित्सा बोर्ड के लिए अनुरोध करने की प्रक्रिया शामिल है।

Promotion & Other Areas for Entry in Indian Army

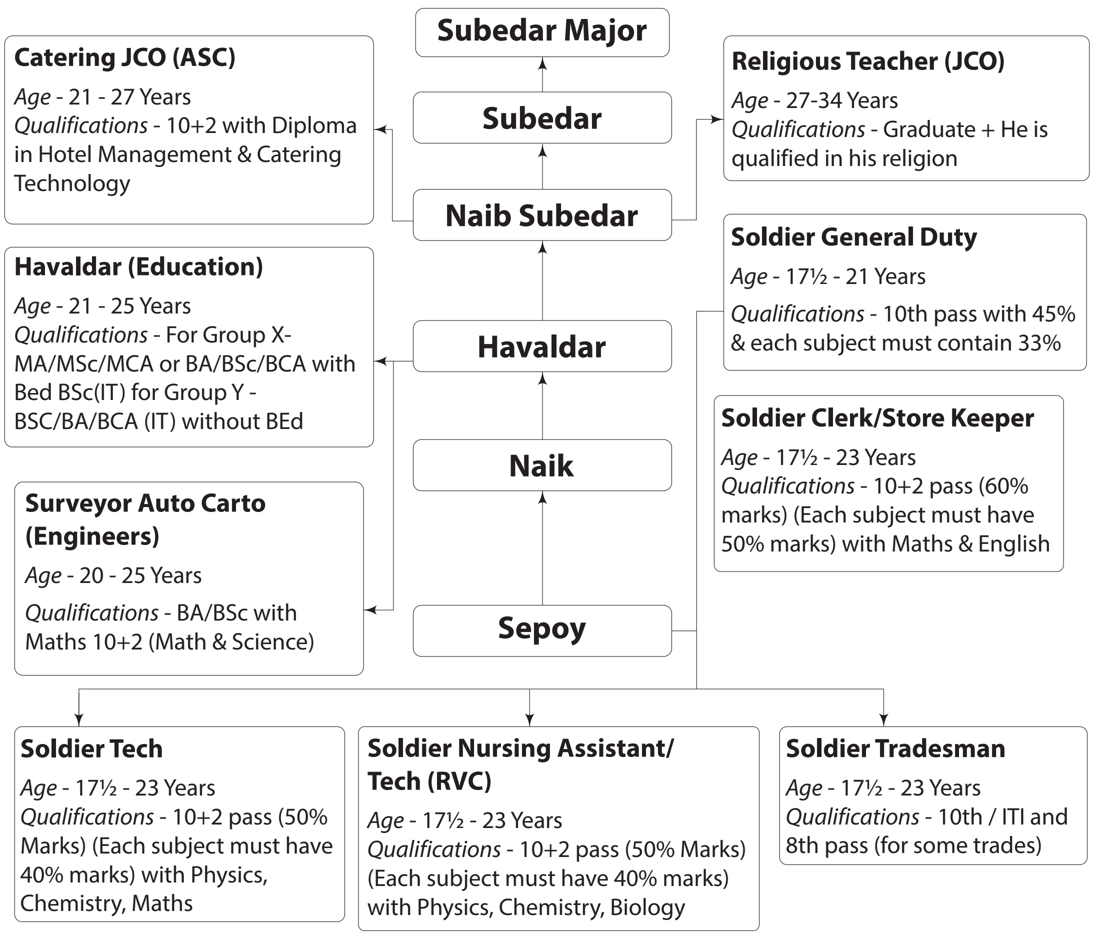

For Officer Entry

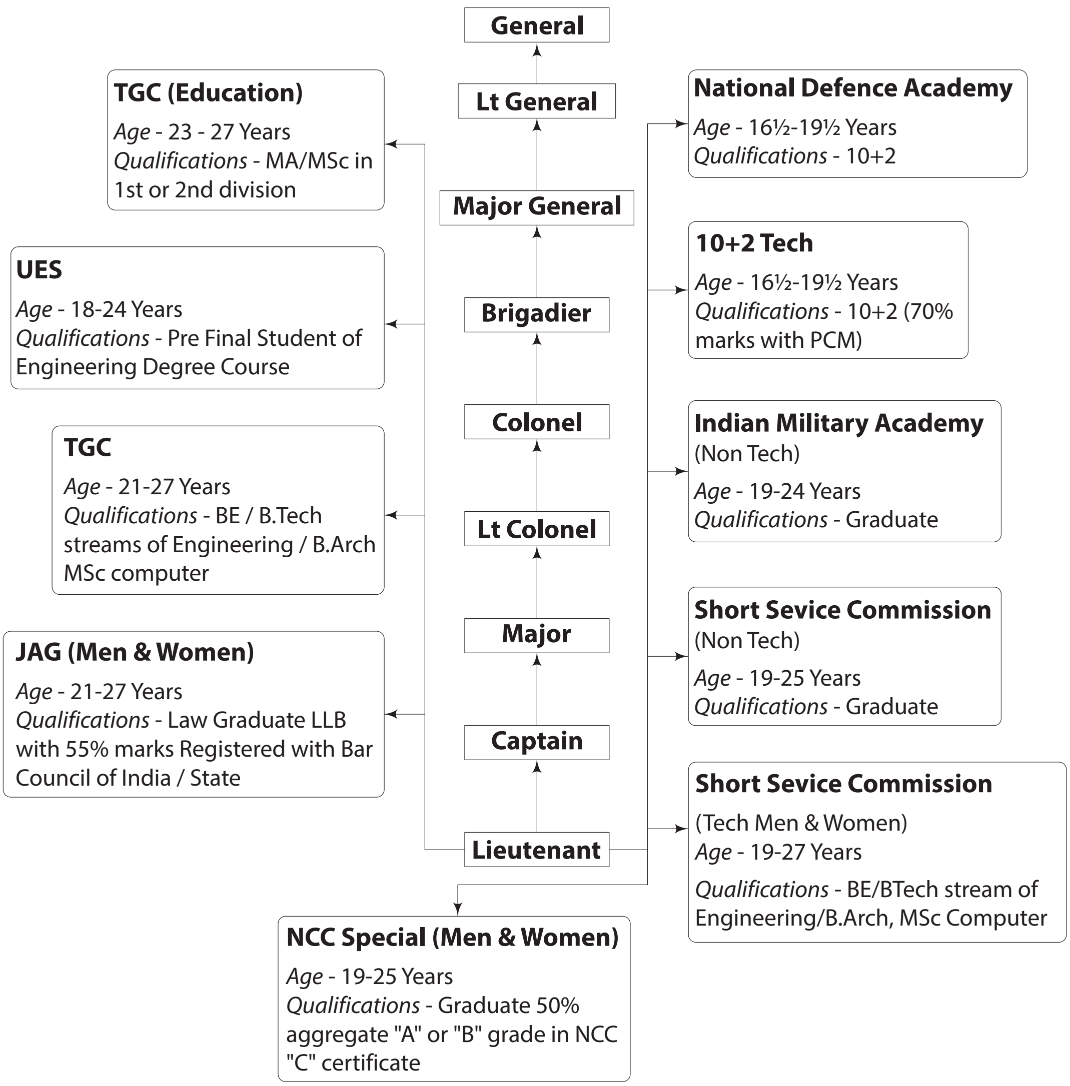

सामान्य ज्ञान

अध्याय 01 भारत का इतिहास

प्राचीन भारत

सिन्धु घाटी सभ्यता

- सिन्धु घाटी सभ्यता (2500 ई.पू.–1750 ई.पू.) भारत की प्राचीनतम सभ्यता है। इसका विस्तार भारत, पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान तक विस्तृत था।
- यह सभ्यता मिस्र तथा मेसोपोटामिया की सभ्यता के समकालीन थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता का सर्वप्रथम उत्खनन वर्ष 1921 में दयाराम साहनी द्वारा हड़प्पा में किया गया, जिस कारण इसे **हड़प्पा सभ्यता** भी कहते हैं।

हड़प्पा सभ्यता के प्रमुख स्थल

प्रमुख स्थल	उत्खननकर्ता	वर्ष	नदी	स्थिति
हड़प्पा	दयाराम साहनी	1921	रावी	पाकिस्तान
मोहनजोदड़ो (मृतकों का टीला)	राखलदास बनर्जी	1922	सिन्धु	पाकिस्तान
चन्हूदड़ो	एन जी मजूमदार	1931	सिन्धु	पाकिस्तान
लोथल	रंगनाथ राव	1957-58	भोगवा	भारत (गुजरात)
बनावली	रवीन्द्र सिंह बिष्ट	1974	सरस्वती	भारत (हरियाणा)

वैदिक काल

- भारत में मध्य एशिया से आर्यों के आगमन के साथ ही वैदिक काल (1500-600 ई.पू) का विकास माना जाता है।
- यह काल दो वर्गों (ऋग्वैदिक काल तथा उत्तरवैदिक काल) में विभाजित था। आर्यों के आरम्भिक इतिहास की जानकारी का मुख्य स्रोत ऋग्वेद है।
- आर्यों का भारत में प्रारम्भिक विस्तार सप्तसैन्धव प्रदेश तक था, जिसमें भारत, पाकिस्तान व अफगानिस्तान का क्षेत्र आता था।
- वेदों की कुल संख्या चार है—ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद तथा अथर्ववेद।
- ऋग्वेद सबसे प्राचीन ग्रन्थ है और इसमें गायत्री मन्त्र का उल्लेख है। सत्यमेव जयते का उल्लेख **मुण्डकोपनिषद्** में मिलता है।

बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म के संस्थापक महात्मा बुद्ध (सिद्धार्थ) थे।
- महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश पालि भाषा में दिया था। इनके प्रथम गुरु **अलार कलाम** तथा प्रथम भिक्षुणी **गौतमी** थी।

गौतम बुद्ध : जीवन परिचय

जन्म	563 ई. पू. लुम्बिनी (कपिलवस्तु नेपाल)
पिता का नाम	शुद्धोधन (कपिलवस्तु के शाक्य गण के प्रधान)
माता का नाम	माया देवी अथवा महामाया (कोलिय गणराज्य की राजकुमारी)
पालन-पोषण	मौसी महाप्रजापति गौतमी द्वारा
पत्नी का नाम	यशोधरा
पुत्र का नाम	राहुल
मृत्यु	483 ई. पू. (कुशीनगर)

- बौद्ध धर्म के तीन पिटक हैं—सुत्तपिटक, विनयपिटक और अभिधम्मपिटक।
- बौद्ध धर्म में त्रिरत्न (बुद्ध, संघ व धम्म) तथा आष्टांगिक मार्ग का विशेष महत्त्व है।

जैन धर्म

जैन धर्म के पहले तीर्थंकर ऋषभदेव थे। जैन परम्परा के अनुसार महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर व जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक थे।

महावीर : जीवन परिचय

जन्म	540 ई. पू. कुण्डग्राम (वैशाली)
पिता	सिद्धार्थ (ज्ञातृक कुल के प्रधान)
माता	त्रिशला (लिच्छवि गणराज्य के प्रधान चेटक की बहन)
पत्नी	यशोदा
पुत्री	प्रियदर्शना (अणोज्जा)
दामाद	जमालि (प्रथम अनुयायी)
मृत्यु	468 ई. पू. (पावापुरी, नालन्दा)

- महावीर स्वामी को जाम्भिक ग्राम, ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे 12 वर्ष की तपस्या के पश्चात् ज्ञान की प्राप्ति हुई। इन्होंने अपना उपदेश प्राकृत भाषा में दिया था।

महाजनपद काल

- बौद्ध ग्रन्थ 'अंगुत्तर निकाय' तथा जैन ग्रन्थ 'भगवती सूत्र' में 16 महाजनपदों का उल्लेख मिलता है।
- इन महाजनपदों में **मगध** सर्वाधिक बड़ा महाजनपद था, साथ ही **अश्मक** एकमात्र महाजनपद दक्षिण भारत में था।

मगध साम्राज्य

- मगध पर शासन करने वाला प्रथम शासकीय वंश **हर्यक वंश** था।
- बिम्बिसार (544-492 ई. पू.) हर्यक वंश का पहला साम्राज्यवादी शासक था। वह महात्मा बुद्ध का समकालीन था।
- बिम्बिसार के बाद उसका पुत्र अजातशत्रु (कुणिक) शासक बना।
- अजातशत्रु के बाद उसका पुत्र उदायिन शासक बना, जिसने पाटलिपुत्र को अपनी राजधानी बनाया।
- नागदशक हर्यक वंश का अन्तिम शासक था। इसके पश्चात् शिशुनाग ने 412 ई.पू. में **शिशुनाग वंश** की स्थापना की।
- शिशुनाग के बाद कालाशोक शासक बना। इसके पश्चात् महापद्मनन्द ने **नन्द वंश** की (344-322 ई. पू.) स्थापना की।
- धनानन्द नन्द वंश का अन्तिम शासक था।

सिकन्दर का आक्रमण

- 326 ई. पूर्व में सिकन्दर और भारतीय राजा पोरस के बीच **हाइडेस्पीज** या **वितस्ता** का युद्ध हुआ। यह युद्ध झेलम नदी के किनारे हुआ।
- वह भारत को जीतने में असफल रहा और वापस यूनान जाते समय (323 ई. पू.) बेबीलोन में उसकी मृत्यु हो गई।

मौर्य साम्राज्य

- मौर्य साम्राज्य (322-185 ई. पू) की जानकारी कौटिल्य के **अर्थशास्त्र** तथा मेगस्थनीज की **इण्डिका** से प्राप्त होती है।
- **चन्द्रगुप्त मौर्य** ने चाणक्य (कौटिल्य, विष्णुगुप्त) की सहायता से धनानन्द को पराजित कर मौर्य शासन की स्थापना की। चन्द्रगुप्त को सेण्ड्रोकोट्स कहा गया और इसने सेल्यूकस निकेटर से भी युद्ध किया। मेगस्थनीज इसी के काल में सेल्यूकस निकेटर का दूत बन कर आया था। चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) में हुई।
- **बिन्दुसार** चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी, आजीवक सम्प्रदाय को संरक्षण देने वाला प्रथम शासक था। इसे अमित्रचेट्स/अमित्रघात (शत्रुविनाशक) के नाम से भी जाना जाता है।
- **अशोक** यह बिन्दुसार का उत्तराधिकारी था और इसने 14 शिलालेख स्थापित कराए, जिसमें 13वें शिलालेख में कलिंग युद्ध और हृदय परिवर्तन का उल्लेख है। अशोक, देवनांप्रिय या प्रियदस्सि के नाम से भी प्रसिद्ध था। इसके अभिलेखों को सर्वप्रथम 1837 ई. में **जेम्स प्रिंसेप** ने पढ़ा था। अशोक ने पाटलिपुत्र में तृतीय बौद्ध संगीति आयोजित कराई थी।
- **बृहद्रथ** मौर्य वंश का अन्तिम शासक था।

मौर्योत्तर काल

- **शुंग वंश** की स्थापना पुष्यमित्र शुंग ने (185 ई. पू.) में की थी। भारत में सबसे पहले हिन्द-यूनानियों ने ही सोने के सिक्के जारी किए।
- भारत में **कुषाण शासन** की स्थापना का श्रेय कुजुल कडफिसेस को जाता है। इस वंश का सबसे प्रतापी राजा कनिष्क था। इसकी राजधानी पुरुषपुर या पेशावर थी। कनिष्क ने 78 ई. में 'शक संवत्' की स्थापना की थी।
- विक्रम संवत् 58 ई. पू. में उज्जैन के शासक विक्रमादित्य द्वारा चलाया गया था।

गुप्त साम्राज्य

- गुप्त साम्राज्य को प्राचीन भारतीय इतिहास का स्वर्णकाल कहा जाता है।
- गुप्त साम्राज्य (319-540 ई.) की स्थापना श्रीगुप्त द्वारा की गई थी, किन्तु इस वंश का वास्तविक संस्थापक तथा प्रथम स्वतन्त्र शासक **चन्द्रगुप्त प्रथम** था।
- चन्द्रगुप्त प्रथम ने 319 ई. में गुप्त संवत् की स्थापना की।
- **समुद्रगुप्त** यह चन्द्रगुप्त I का उत्तराधिकारी था। इसे सिक्कों पर वीणा बजाते हुए दिखाया गया है। **विन्सेण्ट स्मिथ** ने समुद्रगुप्त को 'भारत का नेपोलियन' कहा है। समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण ने 'प्रयाग प्रशस्ति' की रचना की थी।
- **चन्द्रगुप्त द्वितीय** ने देवगुप्त, देवराज, देवश्री, विक्रमांक, विक्रमादित्य आदि उपाधियाँ धारण कीं थी। इसके शासनकाल में चीनी यात्री फाह्यान (399-412 ई.) भारत यात्रा पर आया था। इसके दरबार में 'नवरत्न' रहते थे।
- **कुमारगुप्त** इसने बिहार में नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना की।
- **स्कन्दगुप्त** इसने सुदर्शन झील का जीर्णोद्धार कराया तथा इसके समय में हूणों का आक्रमण हुआ।

हर्षवर्धन

गुप्त साम्राज्य के बाद **हर्षवर्धन** (पुष्यभूति वंश) सर्वाधिक शक्तिशाली शासक हुआ। इसे अन्तिम हिन्दू सम्राट भी कहा जाता है। इसकी राजधानी कन्नौज थी। चीनी यात्री ह्वेनसांग इसी के शासनकाल में भारत आया था।

प्राचीन भारत के प्रमुख साहित्यकार

साहित्यकार	प्रमुख रचनाएँ
कालिदास (भारत का शेक्सपियर)	▪ ऋतुसंहार (प्रथम काव्य) ▪ मेघदूतम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्
आर्यभट्ट (महान् गणितज्ञ)	▪ आर्यभट्टीयम, सूर्य सिद्धान्तम्
वाराहमिहिर (महान् ज्योतिष)	▪ पंच सिद्धान्तिका, वृहत् संहिता, वृहतजातक
बाणभट्ट	▪ हर्षचरित, कादम्बरी

मध्यकालीन भारत

भारत पर मुस्लिम आक्रमण

- **मुहम्मद-बिन कासिम** भारत पर आक्रमण करने वाला पहला मुस्लिम शासक था। इसने 712 ई. में सिन्ध पर आक्रमण किया।
- **महमूद गजनवी** आक्रमण करने वाला पहला तुर्की शासक था। इसने 1001 से 1027 ई. तक भारत पर 17 बार आक्रमण किए। इसने 1025 ई. में सोमनाथ मन्दिर पर आक्रमण किया और लूटपाट की।
- **मुहम्मद गौरी** इसने 1175 ई. में मुल्तान पर आक्रमण किया। 1191 ई. के तराइन के प्रथम युद्ध में मुहम्मद गौरी, पृथ्वीराज चौहान से पराजित हुआ। 1192 ई. में तराइन के द्वितीय युद्ध में गौरी ने पृथ्वीराज चौहान को पराजित किया। मुहम्मद गौरी की मृत्यु के बाद इसके एक गुलाम कुतुबुद्दीन ऐबक ने दिल्ली सल्तनत की स्थापना की।

दिल्ली सल्तनत

गुलाम वंश (1206–90 ई.)

- **कुतुबुद्दीन ऐबक** (1206-10 ई.) गुलाम वंश का संस्थापक था। यह अपनी उदारता के कारण 'लाखबख्श' नाम से जाना जाता था। इसने अढ़ाई दिन का झोपड़ा और कुतुबमीनार का निर्माण कराया। 1210 ई. में चौगान खेलते हुए इसकी मृत्यु हो गई। इसका मकबरा लाहौर में अवस्थित है।
- **इल्तुतमिश** (1210-36 ई.) यह ऐबक का गुलाम था। इसने अपनी राजधानी लाहौर से दिल्ली स्थानान्तरित की और इक्ता व्यवस्था लागू की। इसने कुतुबमीनार का निर्माण पूरा कराया।
- **रजिया सुल्तान** (1236-40 ई.) यह इल्तुतमिश की पुत्री थी और भारत की प्रथम महिला शासिका बनी।
- **बलबन** (1266-87 ई.) इसने विरोधियों के प्रति 'लौह एवं रक्त' की नीति का पालन किया तथा इसने सिजदा व पाबोस की रीति प्रारम्भ की।
- **कैकुबाद** बलबन का उत्तराधिकारी तथा गुलाम वंश का अन्तिम शासक था।

खिलजी वंश (1290-1320 ई.)

- **जलालुद्दीन खिलजी** (1290 ई.) यह खिलजी वंश का संस्थापक था।
- **अलाउद्दीन खिलजी** (1296-1316 ई.) इसने बाजार नियन्त्रण प्रणाली को लागू किया और सैनिकों के लिए हुलिया रखने या घोड़े को दागने की प्रथा प्रारम्भ की। इसने स्थायी सेना तन्त्र का गठन किया। इसके प्रसिद्ध सेनापति मलिक काफूर ने दक्षिण भारतीय अभियान का नेतृत्व किया।

तुगलक वंश (1320-1413 ई.)

- तुगलक वंश की स्थापना **ग्यासुद्दीन तुगलक** (1320-25 ई.) ने की थी। तुगलक वंश के सुल्तानों ने सबसे अधिक समय तक शासन किया। ग्यासुद्दीन तुगलक ने दिल्ली के समीप तुगलकाबाद नगर बसाया तथा उसे अपनी राजधानी बनाया।
- **मुहम्मद बिन तुगलक** या **जौना खाँ** (1325-51 ई.) इसने अपनी राजधानी दिल्ली से दौलताबाद स्थानान्तरित की और 'दीवान-ए-कोही' (कृषि विभाग) की स्थापना व सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन भी किया। इब्नबतूता (मोरक्को), इसी के शासनकाल में भारत आया था।
- **फिरोजशाह तुगलक** (1351-88 ई.) ने नहरों का निर्माण, 'दीवान-ए-बंदगान' व 'दीवान-ए-खैरात' की स्थापना की तथा इसने सभी हिन्दुओं पर 'जजिया' कर लगाया।
- **नासिरुद्दीन महमूद तुगलक** के शासनकाल में (1398 ई.) तैमूर लंग ने आक्रमण किया।

लोदी वंश (1451-1526 ई.)

- लोदी वंश का संस्थापक बहलोल लोदी (1451-89 ई.) था। यह दिल्ली में प्रथम अफगान शासक व वंश था।
- **सिकन्दर लोदी** (1489-1517 ई.) ने 1504 ई. में आगरा नगर बसाया और साथ ही उसे अपनी राजधानी बनाया। इसने भूमि की पैमाइश के लिए 'गज-ए-सिकन्दरी' पैमाना प्रारम्भ किया।
- कबीरदास सिकन्दर लोदी के समकालीन थे।
- सिकन्दर लोदी के बाद **इब्राहिम लोदी** शासक बना। यह लोदी वंश का अन्तिम शासक था।
- इब्राहिम लोदी और बाबर के बीच 21 अप्रैल, 1526 में **पानीपत का प्रथम युद्ध** हुआ, जिसमें बाबर की जीत हुई।

मुगल साम्राज्य

- **बाबर** (1526-30 ई.) ने भारत में 1526 ई. में मुगल साम्राज्य की स्थापना की। बाबर ने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-बाबरी' (बाबरनामा) तुर्की भाषा में लिखी। 1530 ई. में आगरा में बाबर की मृत्यु हुई, इसका मकबरा काबुल में अवस्थित है।
- **हुमायूँ** (1530-40 तथा 1555-56 ई.) बाबर का पुत्र था, इसने दिल्ली के निकट 'दीनपनाह' नगर बसाया। हुमायूँ की बहन गुलबदन बेगम ने 'हुमायूँनामा' की रचना की।
- **अकबर** (1556-1605 ई.) जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर के नाम से दिल्ली की गद्दी पर बैठा। इसने फतेहपुर सीकरी नगर की स्थापना की तथा जजिया कर का उन्मूलन (1564), दास प्रथा का अन्त (1562), दीन-ए-इलाही धर्म की स्थापना (1582) भी की। अकबर के दरबार में नौ रत्न थे। अकबर का मकबरा आगरा के निकट सिकन्दरा में अवस्थित है। अकबर ने आगरा किला व बुलन्द दरवाजा बनवाया था।
- **जहाँगीर** (1605-27 ई.) अकबर का पुत्र था। इसने जनता के न्याय के लिए एवं न्याय के प्रतीक के रूप में सोने की जंजीर लगाई और आगरा में चित्रशाला की स्थापना की। 1627 ई. में इसकी मृत्यु हो गई तथा इसका मकबरा लाहौर में अवस्थित है।

- **शाहजहाँ** (1628-58 ई.) जहाँगीर का पुत्र था। इसने राजधानी आगरा से दिल्ली में स्थानान्तरित की तथा दिल्ली में 'लाल किला' का निर्माण करवाया। इसने अपनी पत्नी की याद में 'ताजमहल' बनवाया। यह विश्व के आश्चर्य में शामिल है।
- **औरंगजेब** (1658-1707 ई.) आलमगीर के नाम से सिंहासन पर आसीन हुआ। यह एक कुशल वीणा वादक था। यह 'जिन्दा पीर' के नाम से भी प्रसिद्ध था। इसके शासनकाल के दौरान सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर को फाँसी दी गई। 1707 ई. में इसकी मृत्यु हुई तथा इसका मकबरा खुलदाबाद (महाराष्ट्र) में अवस्थित है। इसने लालकिले के अन्दर मोती मस्जिद बनवाई थी।
- **बहादुरशाह** I (1707-12 ई.) को 'शाह-ए-बेखबर' और 'लम्पट मूर्ख' के नाम से भी जाना जाता है।
- **मुहम्मदशाह** (1719-48 ई.) को 'रंगीला' बादशाह कहा जाता है। ईरान (फारस) के सम्राट नादिरशाह ने 1739 ई. में मुहम्मदशाह के समय में दिल्ली पर आक्रमण किया। मुगल वंश का अन्तिम शासक **बहादुरशाह द्वितीय** (1837-57 ई.) था, जो बहादुरशाह 'जफर' के नाम से भी जाना जाता था।

मराठा

- **शिवाजी** का जन्म पूना के शिवनेर किले में शाहजी भोंसले के यहाँ 1627 ई. में हुआ। शिवाजी के पिता का नाम शाहजी भोंसले एवं माता का नाम जीजाबाई था।
- इन्होंने 1670 में मराठा राज्य की स्थापना की शिवाजी के राजनीतिक एवं आध्यात्मिक गुरु क्रमशः दादाजी कोण्डदेव और गुरु रामदास थे।
- शिवाजी के शासनकाल में प्रशासन अष्टप्रधान (8 मन्त्री) द्वारा संचालित होता था। शिवाजी ने रायगढ़ को अपनी राजधानी बनाया था। 1680 ई. में इनकी मृत्यु हो गई।
- शिवाजी के पश्चात् उनका पुत्र शम्भाजी (1680-89 ई.), राजाराम (1689-1700 ई.), ताराबाई (1700-1707 ई.) तथा साहू (1707-48 ई.) शासक रहे।

मध्यकालीन भारत के महत्त्वपूर्ण युद्ध

युद्ध/संघर्ष	विवरण
पानीपत का प्रथम युद्ध (1526 ई.)	बाबर ने इब्राहिम लोदी को पराजित किया।
खानवा का युद्ध (1527 ई.)	बाबर ने राणा सांगा को हराया।
चौसा का युद्ध (1539 ई.) व कन्नौज का युद्ध (1540 ई.)	दोनों युद्ध में शेरशाह ने हुमायूँ को पराजित किया।
पानीपत का दूसरा युद्ध (1556 ई.)	अकबर के संरक्षक बैरम खाँ ने राजा हेमू को पराजित किया।
हल्दीघाटी का युद्ध (1576 ई.)	मुगल सेना ने राणा प्रताप को पराजित किया।
धरमत का युद्ध (1658 ई.) व सामूगढ़ का युद्ध (1658 ई.)	इन दोनों युद्ध में औरंगजेब ने दारा शिकोह को पराजित किया।
पानीपत का तीसरा युद्ध (1761 ई.)	अहमदशाह अब्दाली एवं मराठों के बीच हुए इस युद्ध में मराठों की हार हुई।

सिख गुरु एवं उनसे सम्बद्ध तथ्य

गुरु	तथ्य
गुरु नानक (1469-1539)	सिख धर्म की स्थापना
गुरु अंगद (1539-1552)	गुरुमुखी लिपि के जनक
गुरु अमरदास (1552-1574)	22 गद्दियों की स्थापना
गुरु रामदास (1574-1581)	अमृतसर की स्थापना
गुरु अर्जुन देव (1581-1606)	हरमन्दिर साहब (स्वर्ण मन्दिर) का निर्माण आदिग्रन्थ का संकलन
गुरु हरगोविन्द (1606-1645)	अकालतख्त की स्थापना
गुरु हरराय (1645-1661)	दाराशिकोह की सहायता
गुरु हरकिशन (1661-1664)	अल्पव्यस्क अवस्था में ही मृत्यु
गुरु तेगबहादुर (1664-1675)	औरंगजेब ने फाँसी दिलवाई
गुरु गोविन्द सिंह (1675-1708)	खालसा पन्थ की स्थापना

आधुनिक भारत

यूरोपीय कम्पनियों का भारत आगमन

- **पुर्तगीज ईस्ट इण्डिया कम्पनी** (1498 ई.) वास्कोडिगामा, पहला यूरोपियन (पुर्तगाली) था, जो 1498 ई. में भारत (कालीकट) आया। पुर्तगालियों ने अपनी पहली फैक्ट्री कोचीन में खोली। पुर्तगालियों ने भारत में तम्बाकू की खेती तथा प्रिण्टिंग प्रेस (1656 ई.) प्रारम्भ की।
- **ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी** (1600 ई.) अंग्रेजों ने 1613 ई. में सूरत में पहली फैक्ट्री खोली। व्यापार के उद्देश्य से कैप्टन हॉकिंग्स तथा सर टॉमस रो मुगल शासक जहाँगीर के दरबार में आए थे।
- **डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी** (1602 ई.) डचों ने 1605 ई. में मसूलीपट्टम में अपनी पहली फैक्ट्री स्थापित की। बेदरा की लड़ाई (1759 ई.) के बाद डचों का भारत से नियन्त्रण समाप्त हो गया।